S-372

Total Pages : 2 Roll No. .....

DMA-103

ज्योतिषशास्त्र में विविध व्याधि योग

Diploma in Medical Astrology (DMA)

1st Year Examination, 2022 (Dec.)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 100**

नोट : यह प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×26=52)

1. कालपुरुष की अवधारणा पर विस्तृत निबन्ध लिखें।

2. कालपुरुष का रोगों से क्या सम्बन्ध है? विस्तार में वर्णन करें।

3. वक्ष रोग तथा क्षय रोग का ज्योतिषशास्त्रीय विश्लेषण कीजिए।

4. जानु एवं पाद रोग का ज्योतिषशास्त्रीय विश्लेषण कीजिए।

5. स्त्री रोगों का ज्योतिषशास्त्रीय विश्लेषण कीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×12=48)

1. अस्थि रोगों का ज्योतिषशास्त्रीय विश्लेषण कीजिए।

2. गुदा रोगों का ज्योतिषशास्त्रीय विश्लेषण कीजिए।

3. दन्त रोगों का ज्योतिषशास्त्रीय विश्लेषण कीजिए।

4. मुख रोगों का ज्योतिषशास्त्रीय विश्लेषण कीजिए।

5. गला रोगों का ज्योतिषशास्त्रीय विश्लेषण कीजिए।

6. नासिका रोगों का ज्योतिषशास्त्रीय विश्लेषण कीजिए।

7. कर्ण रोगों का ज्योतिषशास्त्रीय विश्लेषण कीजिए।

8. चर्म रोगों का ज्योतिषशास्त्रीय विश्लेषण कीजिए।